दैनिक
जयवर्द्धन
पत्र पंजीयन संख्या RJBIL/26/A5478

पेज 4 पर पढ़े - राजसमंद में कांग्रेस प्रत्याशी से मारपीट के आरोप पर बवाल

वर्ष - 01 | अंक - 51 | राजसमंद - शनिवार, 12 सितम्बर 2026 | मूल्य - 2 रुपया | मो.- 96729 80901 | पृष्ठ - 4

सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर रही भीड़, बुजुर्ग से लेकर तीन फीट के दंपती तक पहुंचे वोट डालने, देवगढ़ में सबसे ज्यादा वोटिंग

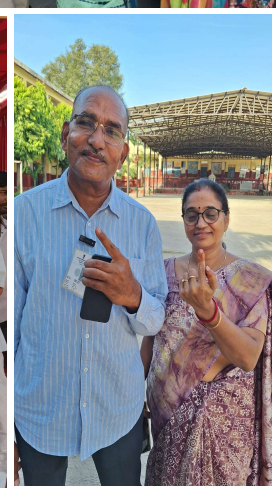

जयवर्द्धन न्यूज़

निकाय	10 बजे तक मतदान	1 बजे तक मतदान	3 बजे तक मतदान	5 बजे तक मतदान	6 बजे तक मतदान
राजसमंद	22.04%	47.84	62.57	77.33	77.33
भीम	31.18%	63.14	72.73	80.74	78.67
देवगढ़	27.84%	56.12	69.76	79.26	83.58

राजसमंद। नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत शुक्रवार को राजसमंद जिले की तीन नगरीय निकायों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। राजसमंद नगर परिषद, देवगढ़ और भीम नगर पालिका क्षेत्र में सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 6 बजे तक चला। अंतिम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देवगढ़ नगर पालिका क्षेत्र में सबसे अधिक 83.58 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं भीम नगर पालिका क्षेत्र में 78.67 प्रतिशत और राजसमंद नगर परिषद क्षेत्र में 77.33 प्रतिशत मतदान हुआ। शाम 6 बजे मतदान केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। इसके बाद मतदान केंद्रों के भीतर मौजूद मतदाताओं को मतदान का अवसर दिया गया। राजसमंद नगर परिषद के वार्ड नंबर 40 स्थित माणक चौक मतदान केंद्र पर करीब तीन फीट कद के दंपती ऋषभ सोलानी और साक्षी माहेश्वरी मतदान करने पहुंचे। दोनों ने साथ पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान केंद्र पर उनका पहुंचना लोगों के बीच चर्चा का विषय रहा। इसी मतदान केंद्र क्षेत्र में 95 वर्षीय तुलसी बाई भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचीं। वह अपने परिजनों के साथ मतदान केंद्र आईं और उत्साहपूर्वक वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने परिजनों के साथ फोटो भी खिंचवाई। उम्र अधिक होने के बावजूद मतदान केंद्र तक पहुंचकर वोट डालने को लेकर वह उत्साहित नजर आईं।

वार्ड 27 में EVM खराब होने से रुका मतदान

राजसमंद नगर परिषद के वार्ड नंबर 27 स्थित श्री बालकृष्ण विद्या भवन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कांकरोली हाथी नाडा मतदान केंद्र पर EVM में खराबी आने से कुछ समय के लिए मतदान प्रभावित हुआ। बाद में श्वङ्करूको बदल दिया गया, जिसके बाद मतदान प्रक्रिया दोबारा शुरू कराई गई।

सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लगी रही कतारें

शुक्रवार सुबह 7 बजे मतदान शुरू होने के साथ ही मतदाता मतदान केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। शुरुआती घंटों में ही कई केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें देखने को मिलीं। वार्ड नंबर 40 के माणक चौक स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर सुबह 10 बजे तक करीब 26 प्रतिशत मतदान हो चुका था। यहां कुल 1,250 मतदाता हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे तक जिले की तीनों नगरीय निकायों में मतदान प्रतिशत करीब 33 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके बाद दोपहर और शाम के समय मतदान की रफ्तार और बढ़ी।

88 वार्डों के लिए 93 मतदान केंद्र

राजसमंद नगर परिषद के 45 वार्डों के लिए 50 मतदान केंद्र, देवगढ़ नगर पालिका के 25 वार्डों के लिए 25 मतदान केंद्र और भीम नगर पालिका के 18 वार्डों के लिए 18 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस तरह तीनों निकायों के कुल 88 वार्डों में 93 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया गया। चुनाव में तीनों निकायों को मिलाकर कुल 251 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें राजसमंद नगर परिषद के 45 वार्डों में 118 प्रत्याशी शामिल रहे।

दिनभर मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान प्रक्रिया संचालित हुई। कुछ स्थानों पर श्वङ्करू खराब होने की घटना सामने आई, लेकिन मशीन बदलने के बाद मतदान फिर शुरू कर दिया गया। वहीं तीन फीट के दंपती और 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला के मतदान करने जैसे दृश्य भी चुनाव के दौरान आकर्षण का केंद्र रहे। शाम 6 बजे मतदान समाप्त होने के साथ ही अब सभी की नजरें चुनाव परिणाम पर टिक गई हैं।

कलेक्टर एसपी रहे पूरे दिन फील्ड में

जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा एवं जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल ने मतदान दिवस पर सुबह से शाम तक विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर निर्वाचन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलक्टर-एसपी ने गांधी सेवा सदन, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय द्वितीय भवन, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माणक चौक, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय वीर भांजी का खेड़ा तथा सामुदायिक भवन गोविंद नगर हाउसिंग बोर्ड सहित अन्य मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान प्रक्रिया, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, मतदाताओं की आवाजाही तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलक्टर-एसपी ने भीम एवं देवगढ़ नगर पालिका क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मतदान केंद्रों पर चल रही मतदान प्रक्रिया एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पूरे मतदान दिवस के दौरान प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों द्वारा लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई।

जयवर्द्धन सम्पादकीय

ब्रिक्स को लाभकारी बनाने की चुनौती

नई दिल्ली में होने जा रहे ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत संस्थागत तंत्र बनाने और सार्थक समझौते करने में कितना सफल होता है। यदि यह सम्मेलन सार्थक परिणाम देने में सफल रहा तो यह भारत की कूटनीतिक विरासत में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ यह समूह मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया को अपने साथ जोड़कर आज एक विशाल वैश्विक शक्ति-गुट का रूप ले चुका है।

ब्रिक्स की आर्थिक ताकत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि विस्तारित ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी वैश्विक जीडीपी (क्रय शक्ति के आधार पर) करीब 42.5 प्रतिशत है और जिसका विश्व की आबादी में लगभग 54 प्रतिशत योगदान है। प्रश्न यह नहीं है कि ब्रिक्स कितना बड़ा हो चुका है। असली सवाल यह है कि क्या बड़ी आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति और ठोस आर्थिक नतीजों में तब्दील हो पाएगी? क्या ये विशाल आंकड़े साझा निर्णयों, साझा संस्थाओं और साझा आर्थिक उपलब्धियों की ठोस बुनियाद रख पाएंगे?

भारत इस सम्मेलन को कितनी कुशलता से भुनाता है, यह देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि वर्तमान में भारत दुनिया की तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, इसके पास यूपीआइ जैसी डिजिटल सफलता है, ग्लोबल साउथ में स्वीकार्यता है और अमेरिका, यूरोप, रूस, चीन तथा खाड़ी देशों के साथ संवाद की क्षमता है, लेकिन चुनौतियां उससे भी बड़ी हैं। ब्रिक्स में चीन का आर्थिक वजन, रूस की भू-राजनीतिक स्थिति, पश्चिम एशिया के अंतर्विरोध, स्थानीय मुद्रा व्यवस्था की सीमाएं, सदस्यता विस्तार और आपसी व्यापार में असंतुलन भारत के सामने कठिन प्रश्न खड़े करते हैं। इसके लिए भारत को किसी के पीछे चलने के बजाय सबको साथ लेकर चलने की रणनीति पर कार्य करने की जरूरत है।

ब्रिक्स के सम्मेलन से यह संदेश जाना चाहिए कि भारत किसी देश के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में विकासशील देशों की साझा आवाज का मंच है। ब्रिक्स की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसका आकार जितना बढ़ा है, इसके भीतर सहमति बनाना उतना ही कठिन होता गया है। डालर व्यवस्था बदलने, रूस-यूक्रेन युद्ध सुलझाने, चीन से सीमा विवाद हल करने या संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था में बदलाव जैसी बड़ी और जटिल राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागने के बजाय भारत को इस सम्मेलन को व्यावहारिक नतीजों की जमीन पर उतारना चाहिए। सप्लाई चेन, डिजिटल भुगतान, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा, स्थानीय मुद्रा व्यापार, एआइ, हरित ऊर्जा और ग्लोबल साउथ जैसे क्षेत्रों में ठोस समझौते ही असली उपलब्धियां होंगी, जो भारत की कूटनीतिक सफलता की कहानी लिखेंगे।

भारत को ध्यान में रखना होगा कि अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे साझेदारों के साथ उसके अहम आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते किसी भी सूरत में प्रभावित न हों। इस मंच पर न तो चीन का आर्थिक दबदबा हावी होने दिया जाए और न ही रूस-यूक्रेन या पश्चिम एशिया जैसे विवादों की बात की जाए, अन्यथा सम्मेलन अपने वास्तविक उद्देश्य से भटक जाएगा। इसके अलावा डालर के विकल्प के नाम पर ऐसी अव्यावहारिक वित्तीय घोषणाएं करने से बचना होगा, जिन्हें वर्तमान में जमीन पर उतारना असंभव हो।

यह सच है कि डालर पर निर्भरता घटाने की दिशा में चीन और रूस ने अपने लगभग 99 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार को रूबल और युआन में स्थानांतरित कर लिया है, लेकिन असली चुनौती कहीं बड़ी है। दुनिया भर के 11,000 से अधिक बैंक आज भी स्विफ्ट यानी वैश्विक अंतर-बैंक वित्तीय दूरसंचार व्यवस्था से जुड़े हैं।

चारभुजा नाथ का आशीर्वाद लेकर विधायक माहेश्वरी ने किया मतदान

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। निकाय चुनाव के दौरान विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने मतदान करने से पूर्व गढ़बोर स्थित चारभुजा नाथ मंदिर में मंगला झांकी के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि प्रभु का आशीर्वाद और जनसेवा का संकल्प लेकर ही जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। मंदिर दर्शन के पश्चात विधायक माहेश्वरी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे बढ़-चढ़कर मतदान करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित की योजनाओं तथा विकास कार्यों के माध्यम से निरंतर क्षेत्र की तस्वीर बदलने में जुटी है और नगर निकाय में भी यही विकास यात्रा आगे बढ़नी चाहिए। विधायक माहेश्वरी नगर में विभिन्न शोक संतप्त परिवार के घर पहुंच संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए उनसे भी मतदान करने का आग्रह किया, ताकि लोकतंत्र के इस पर्व में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके। उन्होने कहा कि यह चुनाव जिले के विकास की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है और जनता का हर एक मत क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा देगा।

जनता के प्रचंड समर्थन से राजसमंद में खिलेगा कमल : विधायक माहेश्वरी

नगर परिषद चुनाव पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने गांधी सेवा सदन स्थित मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के पश्चात विधायक ने विभिन्न मतदान केंद्रों एवं नगर परिषद् क्षेत्र के अनेक वार्डों में पहुंचकर मतदाताओं से आत्मीय संवाद किया। विधायक माहेश्वरी ने मतदाताओं के उत्साह एवं लोकतांत्रिक सहभागिता का अवलोकन करते हुए कहा कि जिले की जनता का यह उत्साह भाजपा के प्रति उसके विश्वास और समर्थन का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने मतदाताओं से बिना किसी भेदभाव एवं भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा मतदान प्रतिशत को अधिकतम स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के प्रचंड समर्थन से राजसमंद सहित राजस्थान के सभी नगर निकायों में कमल खिलेगा। माहेश्वरी ने शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण मतदान के लिए मतदाताओं तथा निर्वाचन प्रक्रिया में जुटे अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राजसमंद की जागरूक जनता का मतदान के प्रति यह उत्साह लोकतंत्र की जीवंतता का परिचायक है और जनसमर्थन की यही लहर नगर निकाय चुनाव में भाजपा की विजय का आधार बनेगी।

वाणी संयम से ही समाज में प्रेम और सौहार्द संभवः प्रज्ञा विहार में मनाया वाणी संयम दिवस

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जैन धर्म के पर्युषण महापर्व के चौथे दिवस शुक्रवार को श्रीजैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा कांकरोली द्वारा प्रज्ञा विहार में वाणी संयम दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाया गया। श्रावक-श्राविकाओं एवं धर्मावलंबियों ने उपस्थित होकर तेरापंथ धर्मसंघ की परंपराओं और आचार्यों द्वारा प्रदत्त आध्यात्मिक शिक्षाओं के अनुरूप वाणी के संयम, मधुर व्यवहार और आत्मशुद्धि का संदेश ग्रहण किया। समारोह में उपस्थित उपासक ने अपने प्रभावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि वाणी मनुष्य के व्यक्तित्व का वास्तविक दर्पण होती है और वाणी का संयम ही आत्मा का सच्चा श्रृंगार है। मधुर वाणी से न केवल व्यक्ति विशेष का, बल्कि संपूर्ण समाज का कल्याण होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मनुष्य को बोलने से पूर्व अपने शब्दों पर विचार अवश्य करना चाहिए, क्योंकि कटु वचन किसी के भी हृदय को गहरा आहत कर सकते हैं, जबकि प्रेम और माधुर्य से कहे गए शब्द बिगड़े हुए संबंधों को भी पुनः सुधार देते हैं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने पर्युषण महापर्व को आत्मनिरीक्षण, आत्मशुद्धि और संयम साधना का महापर्व बताया। उन्होंने कहा कि सत्य, प्रिय और हितकारी वचन बोलना ही वाणी संयम का मूल आधार है। असत्य, कटुता, क्रोध, चुगली और अपमानजनक शब्दों का त्याग करके व्यक्ति अपने जीवन को अधिक शांत, सुखी और आध्यात्मिक बना सकता है। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने दैनिक जीवन में संयमित, सत्य एवं मधुर वाणी का प्रयोग करने का दृढ़ संकल्प लिया। प्रज्ञा विहार परिसर में दिनभर धार्मिक एवं आध्यात्मिक भावनाओं से सराबोर रहा। अंत में वाणी में संयम, माधुर्य और मोक्ष कल्याण के संदेश के साथ यह समारोह गरिमामय तरीके से संपन्न हुआ।

भक्ति की डगर पर साथ चलेगा बिनोलः गणेश चतुर्थी से जलझूलनी एकादशी तक गूंजेंगे भजनों के स्वर

जयवर्द्धन न्यूज़

- लगेगा राम रसोड़ा

राजसमंद। आस्था जब सामूहिक होती है तो वह केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे गांव को एकता के सूत्र में पिरो देती है। इसी अनूठी भावना को साकार करते हुए चारभुजा मित्र मंडल बिनोल की ओर से गणेश चतुर्थी से लेकर जलझूलनी एकादशी तक विविध धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। भक्ति, सेवा और श्रद्धा के इस अनोखे संगम को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन की शुरुआत 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर एक विशाल भजन संध्या के साथ होगी। पुराने बस स्टैंड स्थित हनुमान गली में आयोजित होने वाली इस भजन संध्या में सुप्रसिद्ध गायकों द्वारा देर रात तक भक्ति रस बरसाया जाएगा, जिससे पूरा क्षेत्र गणपति बाप्पा के जयकारों से गुंजायमान रहेगा। 19 और 20 सितंबर को बस स्टैंड बिनोल पर विशाल राम रसोड़े का आयोजन किया जाएगा। भगवान श्रीचारभुजा जी के दर्शन के लिए पैदल यात्रा कर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सेवा मंडल की ओर से भोजन, चाय और स्वल्पाहार की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। तपती राहों पर श्रद्धा के साथ बढ़ते पदयात्रियों की सेवा का यह प्रयास बिनोल गांव की गौरवशाली परंपरा और अतिथि सत्कार की पहचान है। आयोजनों की इसी कड़ी में 22 सितंबर को जलझूलनी एकादशी पर भगवान श्रीचारभुजा जी का जुलूस निकाला जाएगा। बिनोल स्थित चारभुजा जी मंदिर से प्रारंभ होने वाले इस जुलूस में ठाकुरजी के बेवाण के साथ श्रद्धालु नाचते-गाते चलेंगे। तत्पश्चात पारंपरिक सरोवर पर भगवान का जलझूलनी स्नान कराया जाएगा, जिसके साथ ही इस बहुप्रतीक्षित धार्मिक उत्सव का समापन होगा।

भीम में नगर पालिका गठन को लेकर रिकॉर्ड 82.49 प्रतिशत मतदान

- नगर पालिका बनने के बाद पहली बार शहर की सरकार के लिए हुआ मतदान - निर्दलीयों ने बढ़ाई हलचल, 14 सितंबर को खुलेगा चुनावी पिटारा - महिला मतदाताओं ने पुरूष मतदाताओं के मुकाबले ज्यादा किया मतदान

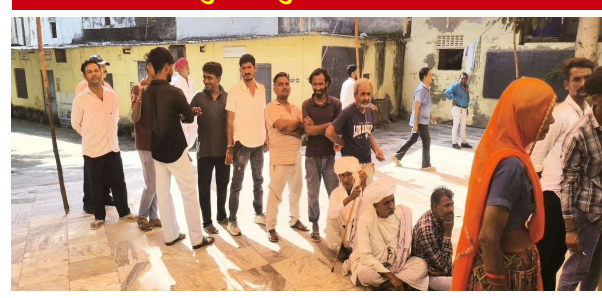

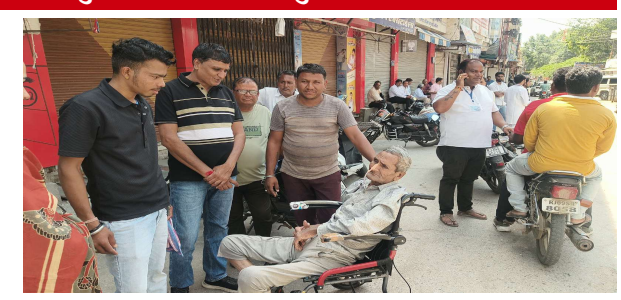

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद-भीम। जिले के भीम कस्बे में पहली बार स्वायत्तशासी संस्था नगर पालिका सरकार के गठन को लेकर बहुप्रतीक्षित निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। सवेरे से ही मतदान केंद्रों पर युवाओं, बुजुर्गों और महिला मतदाताओं की भारी भीड़ देखने को मिली, जिसके चलते दिन भर केंद्रों के बाहर गहमागहमी का माहौल बना रहा। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन एहतियातन हर कदम पर मुस्तैद दिखा। रिटर्निंग ऑफिसर नीरज मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक राकेश वर्मा और वृत्त निरीक्षक दिलीप सिंह खदाव जिले से आए अतिरिक्त पुलिस बल के साथ हर बूथ का सघन दौरा कर जायजा लेते नजर आए। वहीं क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रावत और पूर्व विधायक सुदर्शन सिंह रावत अपनी-अपनी कार्यकर्ताओं की टीमों के साथ लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे।

11 पार्षदों के जादुई आंकड़े और प्रथम अध्यक्ष बनने की होड़

नगर पालिका का पहला अध्यक्ष बनने के लिए विभिन्न राजनीतिक रणनीतिकार येन-केन-प्रकारेण 11 वार्ड पार्षदों के जादुई आंकड़े को हासिल करने के जुगाड़ में जुट गए हैं। हालांकि भाजपा के बागी निर्दलीय प्रत्याशियों ने दलगत समीकरणों को खासा उलझा दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कई वार्डों में अप्रत्याशित चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे हैं। जमीनी स्तर पर मुकाबला बेहद कड़ा नजर आ रहा है। अब चुनावी ऊंट किस करवट बैठता है और किसे बहुमत का ताज मिलता है, इसका फैसला 14 सितंबर को मतगणना के बाद ही साफ हो पाएगा।

समय के साथ यूं बढ़ता गया मतदान का ग्राफ

भीम नगरपालिका क्षेत्र में सुबह 7 बजे से सुबह 10 बजे तक 31.18 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी तरह सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक 67.14 प्रतिशत मतदान हुआ। दोपहर 1 बजे 3 बजे तक 72.73 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड किया गया। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक 80.74 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। शाम 5 बजे से 6 बजे तक 82.49 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं कई बूथ पर कतारे होने से अंतिम मतदान प्रतिशत आंकडा मतदान खत्म होने के बाद किया जाएगा। कुल 6 हजार 477 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिनमें 3 हजार 314 महिलाएं, 3 हजार 162 पुरुष और एक थर्ड जेंडर मतदाता शामिल रहे। खास बात यह रही कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने अधिक संख्या में मतदान कर लोकतंत्र के पर्व में अपनी मजबूत भागीदारी दर्ज कराई। भीम के सभी मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा। संवेदनशील बूथों पर पुलिस की कड़ी निगरानी रही।

ओसवाल भवन में पर्युषण पर्व का चौथा दिन चुंदरी कल्प के रूप में मनाया - साध्वी महिमा ने दिए तीन महामंत्र

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। शहर के नजरवाड़ी स्थित ओसवाल भवन में चल रहे आठ दिवसीय पर्युषण पर्व का चौथा दिवस चुंदरी कल्प के रूप में धूमधाम एवं उपवास व्रत के साथ मनाया गया। इस दौरान सभी महिलाओं ने चुंदरी की साड़ी पहनकर सिद्ध भगवान के स्वरूप को चरितार्थ किया, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। धर्मसभा में साध्वी महिमा महाराज ने भगवान महावीर के तीन मुख्य सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार में अहिंसा, विचारों में अनेकांतवाद और व्यवहार में अपरिग्रह का पालन करना चाहिए। आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का जरूरतमंदों को दान करने से नौ प्रकार के पुण्यों का बंध होता है, जो जीवन में 42 प्रकार के सुख प्रदान करते हैं। वहीं साध्वी हंस महाराज ने रिश्तों की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि मतभेद भुलाकर अपनों को जोड़कर रखना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम फिर से बड़ा परिवार, सुखी परिवार की भावना को अपनाएं। श्रीसंघ प्रचार-प्रसार मंत्री भैरूलाल हिंगड़ ने बताया कि कार्यक्रम में जय डांगी, बहार संचेती और अम्बालाल सिंघवी ने गीतिकाएं प्रस्तुत की, जबकि प्रेमलता बोल्या ने पर्युषण पर्व पर अपने विचार रखे। महावीर इंटरनेशनल के स्थानीय अध्यक्ष ललित बडोला व महेश पगारिया ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए आमजन से अनुपयोगी सामग्री दान करने की अपील की, ताकि उन्हें जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सके। श्रीसंघ अध्यक्ष कैलाशचंद्र तलेसरा ने बताया कि शनिवार को सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक प्रवचन होंगे, जिसके पश्चात 24 जिन माताओं का मंच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें 24 माताएं तीर्थंकरों की दिव्य गाथाएं सुनाकर जिनशासन के गौरवशाली इतिहास को साकार करेगी। मंच संचालन सुधीर पगारिया ने किया।

साइबर सुरक्षित राजस्थान जन-जागरूकता माहः जागरूक युवा ही साइबर सुरक्षित राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएं, जयपुर के निर्देशानुसार सितंबर माह को साइबर सुरक्षित राजस्थान जन-जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। एसपी हेमंत कलाल के निर्देशन, एएसपी महेंद्र पारीक के मार्गदर्शन तथा उप अधीक्षक पुलिस व थानाधिकारी साइबर पुलिस थाना दुर्गाप्रसाद दाधीच के नेतृत्व में साइबर पोर्टल जागरूकता कार्यक्रम के तहत राउमावि पिपलांत्री में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रोग्रामर खैरुल वसीम ने विद्यार्थियों को कहा कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन और इंटरनेट का सुरक्षित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संचार साथी पोर्टल के बारे में बताया कि इसके माध्यम से नागरिक अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा अनधिकृत सिम को बंद करवा सकते हैं। उन्होंने सीईआईआर पोर्टल के बारे में बताते हुए कहा कि यदि मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाए तो इस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर मोबाइल को ब्लॉक किया जा सकता है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके। सूचना सहायक दलवीर मीणा ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के बारे में बताया कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय ठगी, सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी प्रोफाइल, साइबर बुलिंग अथवा अन्य साइबर अपराधों की शिकायत इस पोर्टल पर दर्ज की जा सकती है। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी होने पर समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, इसलिए पीड़ित को तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करके शिकायत दर्ज करानी चाहिए, ताकि राशि को सुरक्षित रखने और अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिल सके। महिला कांस्टेबल प्रक्षाली गोदारा ने कहा कि साइबर सुरक्षा केवल एक तकनीकी विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे सोशल मीडिया और इंटरनेट का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें तथा अपने परिवार एवं समाज को भी साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने में अपनी भूमिका निभाएं।

मानसून की दगाबाजी से राजसमंद में हाहाकार, न बरसे बादल, न मिली राहत

- उमस ने छुड़ाए पसीने, खेतों में फसलें बरबादी के कगार पर और अस्पतालों मरीज कतारों में

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। इंद्रदेव लगता है राजसमंद का रास्ता ही भूल गए हैं। मानसून क्या बेरूखा हुआ, पूरे जिले का पारा और लोगों का पारा, दोनों ही आसमान छूने लगे हैं। पिछले दो-तीन हफ्तों से आसमान में बादल होने पर भी बारिश नहीं होने से आमजन खासे परेशान है। आलम यह है कि जो अन्नदाता कुछ दिन पहले तक झूमकर बुवाई कर रहे थे, आज वही किसान अपने खेतों के कोने पर खड़े होकर सूखी मिट्टी और मुरझाती फसलों को देखकर खून के आंसू रोने को मजबूर हैं। दिन-ब-दिन तेज होती धूप और बारिश के लंबे ब्रेक ने फसलों की सांसें फुला दी हैं। मक्का, ज्वार और मूंगफली जैसी खरीफ फसलें बिना पानी के खेतों में ही दम तोड़ रही हैं। दो से तीन हफ्तों का यह सूखा अब फसलों को पूरी तरह सुखाने की कगार पर ले आया है। मेहनत, पानी और महंगे बीजों का जो सपना किसानों ने बोया था, वह अब धूप में जलकर राख होता दिख रहा है। हर तरफ बस एक ही सवाल गूंज रहा है - हे भगवान, अब तो मेहरबान हो जाओ।

गर्मी का टॉर्चर और उमस का डबल अटैक

बारिश न होने का खामियाजा सिर्फ खेती ही नहीं, बल्कि आम जनता भी भुगत रही है। आसमान से सूरज नहीं, बल्कि आग के गोले बरस रहे हैं। ऊपर से हवा में नमी ने वो गदर मचाया है कि घर के अंदर बैठे या बाहर, पसीना सूखने का नाम ही नहीं ले रहा। पंखे और कूलर भी अब गर्म हवा के थपेड़े मार रहे हैं। लोग दिन भर टकटकी लगाए आसमान की तरफ निहार रहे हैं कि शायद बारिश हो जाए, लेकिन फिलहाल तो सिर्फ निराशा और चिपचिपाहट भरी उमस ही हाथ लग रही है।

अस्पतालों में हाउसफुल, मरीजों की लंबी-लंबी कतारें

इस चिलचिलाती धूप और घुटन भरी उमस का सबसे बुरा असर लोगों की सेहत पर पड़ा है। मौसम का यह तीखा तेवर लोगों को सीधे अस्पताल की दहलीज पर पहुंचा रहा है। सरकारी हो या प्राइवेट, जिले के लगभग सभी अस्पतालों में इन दिनों मरीजों का हुजूम उमड़ रहा है। पर्ची कटवाने से लेकर डॉक्टर के केबिन तक लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। उल्टी, दस्त, तेज बुखार, डिहाइड्रेशन और सिरदर्द जैसी मौसमी बीमारियों ने घर-घर में पैर पसार लिए हैं। अब देखना यह होगा कि इंद्रदेव कब तक रूठे रहते हैं, क्योंकि अगर अगले दो-चार दिनों में झमाझम बारिश नहीं हुई, तो राजसमंद में संकट का यह बादल और भी गहरा हो जाएगा।

विद्यालयों को तीर्थ और प्रार्थना सभा को आदर्श बनाने की मुहिमः जिला स्तरीय कार्यशाला कल

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ओर से रविवार को जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सूरजपोल स्थित विवेकानंद राउप्रावि में होगा। प्रशिक्षण शिविर में जिलेभर के चयनित शिक्षक कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्कूलों के माहौल को अनुशासित बनाना और शिक्षकों को नए आयामों से जोड़ना है। कार्यक्रम प्रभारी एवं जिला महिला उपाध्यक्ष मधु पालीवाल ने बताया कि संगठन केवल शिक्षक हितों की लड़ाई ही नहीं लड़ता, बल्कि शिक्षा और विद्यालयों के वातावरण को आदर्श बनाने के लिए भी लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में खंड स्तर से चयनित कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान हमारा विद्यालय, हमारा तीर्थ विषय पर पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चुण्डावत एवं खंड मंत्री ईश्वरसिंह कुंपावत कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे। वहीं दूसरी ओर आदर्श प्रार्थना सभा आयाम के तहत स्कूलों में दिन की शुरुआत को अधिक ऊर्जावान व मूल्यपरक बनाने के लिए मधु पालीवाल द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला संचालन को लेकर संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों ने बैठक कर सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है। जिलाध्यक्ष शंकर माली, जिला संगठन मंत्री सतीश आचार्य, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजीत कुमार त्रिपाठी तथा जिला मंत्री हरिओम सिंह चुण्डावत ने तैयारियों का जायजा लेकर जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

संक्षिप्त खबरें

लोकतंत्र के महापर्व में स्काउट्स-गाइड्स ने पेश की मिसालः मतदान केंद्रों पर बुजुर्गों और दिव्यांगों का बने सहारा

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स के स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स ने नगर निकाय आम चुनाव के द्वितीय चरण में मतदान केंद्रों पर सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन तथा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व पदेन जिला मुख्य आयुक्त के मार्गदर्शन में जिले के सभी नगरपालिका क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर दो-दो सदस्यों की सेवा टीमें तैनात की गई थी। भीषण धूप और गर्मी के बीच स्काउट्स-गाइड्स ने अपनी निस्वार्थ सेवा से हर किसी का दिल जीत लिया। कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नागरिक और बुजुर्ग मतदाताओं को हाथों का सहारा देकर मतदान कक्ष तक पहुंचाया। वहीं दिव्यांग एवं जरूरतमंद मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की सुचारू व्यवस्था कर उन्हें सुलभ मतदान कराने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा लंबी कतारों में खड़े मतदाताओं के लिए पेयजल, छाया और बैठने की उचित व्यवस्था की गई, साथ ही बूथ संख्या ढूंढने में भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। स्काउट्स-गाइड्स की इस मानवीय सेवा की मतदाताओं, मतदान अधिकारियों और आमजन ने मुक्त कंठ से सराहना की। 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों ने युवाओं के इस सेवाभाव के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। सीओ स्काउट सुरेंद्र कुमार पांडे ने बताया कि स्काउट-गाइड संगठन सदैव सेवा धर्म को सर्वोपरि मानता है। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाकर स्काउट्स-गाइड्स ने अपने मूल कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले सभी स्काउट्स, गाइड्स, रोवर-रेंजर, स्काउटर-गाइडर और संस्था प्रधानों का आभार प्रकट किया।

भीलवाड़ा में सार्वजनिक बैंकों की एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल, दो हजार करोड़ का व्यवसाय प्रभावित

जयवर्द्धन न्यूज़

भीलवाड़ा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल को लेकर शुक्रवार को जिले के समस्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूर्ण हड़ताल रही। बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी पिछले लगभग पाँच वर्षों से पाँच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने तथा समान लाभांश आधारित प्रोत्साहन देने की मांग कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांग है कि बैंकों में प्रत्येक शनिवार को अवकाश घोषित किया जाए, जैसा कि भारतीय रिज़र्व बैंक, अधिकांश केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यालयों, भारतीय जीवन बीमा निगम, जनरल इंश्योरेंस कंपनियों तथा कई निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में पहले से लागू है।

इस मांग को लेकर बैंक अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर अनेक आंदोलन, प्रदर्शन तथा काले बैज पहनकर कार्यालय में कार्य किया गया। किंतु केंद्र सरकार एवं भारतीय बैंक संघ द्वारा अभी तक इस मांग को स्वीकार नहीं किया गया है। यद्यपि भारतीय बैंक संघ द्वारा यह प्रस्ताव काफी समय पूर्व केंद्र सरकार को स्वीकृति हेतु भेजा जा चुका है, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद केंद्र सरकार से स्वीकृति प्राप्त नहीं हो सकी है। इसके कारण बैंकिंग यूनियनों में भारी रोष एवं असंतोष व्याप्त है।

हड़ताल के दिन शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे, बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बसंत विहार शाखा के सामने एकत्रित हुए और प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स से संबद्ध सभी घटक संगठनों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस हड़ताल में जिले की लगभग 130 से अधिक बैंक शाखाओं में कार्यरत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लगभग 1,500 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी एवं अधीनस्थ कर्मचारी हड़ताल पर रहे। हड़ताल के कारण जिले में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का बैंकिंग व्यवसाय प्रभावित होने का दावा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

नोटा नहीं, अब निर्दलीय बना विकल्प : पार्टियों की मनमानी के खिलाफ सुलगता दिखा अवाम और असंतुष्ट कार्यकर्ताओं का साझा गुस्सा

जयवर्द्धन न्यूज़

जयपुर। लोकतंत्र में जब-जब अवाम के सामने यह यक्ष प्रश्न उछाला गया कि 'विकल्प क्या है?', तब-तब सियासी दलों ने अपनी मनमानियों और थोपे गए फैसलों को जनता की मजबूरी मान लिया। इस लाचारी के बीच चुनाव आयोग ने ईवीएम पर 'नोटा' का जो विकल्प दिया था, मतदाता अब उसकी बेअसर चुप्पी को दरकिनार कर चुका है। मौजूदा निकाय चुनावों की जमीन पर साफ दिख रहा है कि आम मतदाता अब नोटा के निष्फल बटन को दबाने के बजाय दलीय तानाशाही को सबक सिखाने के लिए सीधे 'निर्दलीय' को अपना अचूक हथियार बना रहा है। नोटा की बेचारगी से आगे निकला वोटर अब तक की परिपाटी यह रही थी कि जब दल अपनी ही विचारधारा और जनभावना के विपरीत फैसले लेते थे, तो मतदाता विरोध दर्ज कराने के नाम पर नोटा का रुख करता था। लेकिन इस बार का मिजाज बदला हुआ है। आम नागरिक समझ चुका है कि नोटा का शोर सत्ता के कानों तक नहीं पहुंचता। लिहाजा, दलों के थोपे हुए चेहरों और बंद कमरों की सियासत को खारिज करने के लिए मतदाता ने स्थानीय स्तर पर मौजूद निर्दलीय प्रत्याशियों पर अपना दांव लगाना शुरू कर दिया हैइस चुनावी उभार की सबसे अहम और झकझोरने वाली कड़ी यह है कि मैदान में खड़े इन निर्दलीयों को सिर्फ आम जनता का ही नहीं, बल्कि पार्टियों के अपने परंपरागत और वैचारिक वर्ग के उन उपेक्षित कार्यकर्ताओं

का भी खुला व मौन समर्थन मिल रहा है, जिनका हक आलाकमान ने दरकिनार कर दिया था। सालों से झंडा उठाने वाले काडर की निष्ठा अब सिंबल के बजाय स्वाभिमान से जुड़ती नजर आ रही है।

पुराना भीलवाड़ा से पटरी पार तक एक जैसी बगावत की बानगी

दलीय बगावत की यह तपिश किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है। एक खास विचारधारा का अभेद्य गढ़ समझे जाने वाले पुराना भीलवाड़ा के रिहायशी इलाकों से लेकर इसके ठीक उलट शहर के पटरी पर तक में यही रुझान साफ महसूस किया जा रहा है। दोनों छोरों पर कार्यकर्ता और मतदाता पार्टियों के अहंकार के खिलाफ एक ही सुर में खड़े दिख रहे हैं। सियासी जानकारों का मानना है कि यदि मतदान का यह रुझान परिणामों में तब्दील होकर सीटों की शक्ल अख्तियार करता है, तो यह स्थानीय निकाय चुनावों में जनता और समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए एक नई राह खोलने वाला साबित होगा, जहां दलों की मनमानी पर जनता का सीधा फैसला भारी पड़ेगा।

नगर निकाय चुनाव 2026 : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार सहित किया मतदान,कांग्रेस पर साधा निशाना

जयवर्द्धन न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने परिवार के साथ 2026 नगर निगम चुनाव के लिए वोट डाला। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, सबसे पहले तो मैं राजस्थान की जनता को आह्वान करूंगा कि ये लोकतंत्र का पर्व है और इस लोकतंत्र के पर्व में हमारे एक-एक वोट का बहुत महत्व है। मैं सभी भाई बहनों से कहना चाहता हूं कि आप मतदान करें और अपने निकायों को पूर्ण रूप से चुनें जिससे हमारा विकास हो सके। '

उन्होंने आगे कहा, '...कांग्रेस के राज में लगातार 2 साल तक नगर निकाय के चुनाव होते रहे, लगातार पंचायत चुनाव होते रहे। जब हम सरकार में आए थे तो हमने कहा था कि हम इस पद्धति को समाप्त करेंगे क्योंकि राजस्थान में हर तीन महीने में आचार-संहिता लगती थी और विकास अवरुद्ध होता था। कांग्रेस के लोगों को विकास से कुछ लेना-देना नहीं था... राजस्थान की जनता लगातार इन चुनावों के चक्कर काटती रही। हमने कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' राजस्थान में लाएंगे। कांग्रेस ने उसमें भी कई रोड़े अटकाने की कोशिश की... क्योंकि ये राजस्थान की जनता का हित था, ये राजस्थान के जनता की समय-पैसों की जो बर्बादी थी, उसे रोकने का प्रयास था, राजस्थान स्थायी विकास करे इसलिए हमने ये कहा कि हम 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' करवाएंगे।

राजसमंद में कांग्रेस प्रत्याशी से मारपीट के आरोप पर बवाल, एसपी कार्यालय पर धरना

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद. नगर निकाय चुनाव के तहत नगरपरिषद राजसमंद के वार्ड नंबर 16 से कांग्रेस प्रत्याशी हिम्मत कीर के साथ कथित मारपीट व परिजनों पर पुलिस की अनैतिक कार्रवाई के आरोप को लेकर मामला गरमा गया है। हिम्मत कीर के साथ भाजपा प्रत्याशी के पुत्र व अन्य पर मारपीट का आरोप है। घटना के विरोध में देर रात कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी हिम्मत कीर के परिजन और कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने राजसमंद पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मामले में कांकरोली थाना अधिकारी सरोज बैरवा और डीएसपी नेत्रपाल सिंह को निलंबित किया जाए। धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने थाना अधिकारी सरोज बैरवा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। मामले को लेकर पुलिस जाता मौके पर मौजूद है। बाद में साइबर क्राइम के डीएसपी डीपी दाधीच मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और समझाइश के प्रयास किए, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता तो तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड गए। देर रात तक धरना जारी रहा, जबकि पुलिस अधिकारी लगातार समझाइश में जुटे रहे।

हिन्दी लाओ, देश बचाओ समारोह पर आज से होगा साहित्य मण्डल में साहित्यकारों का समागम

- हिंदी उपनिषद, हिन्दी हुंकृति, साहित्यकार, पत्रकार व सम्पादक सम्मान सहित पुस्तक लोकार्पण और कवि सम्मेलन होगा

जयवर्द्धन न्यूज़

नाथद्वारा। साहित्य मंडल श्रीनाथद्वारा की ओर से हिंदी दिवस पर तीन दिवसीय हिंदी लाओ, देश बचाओ समारोह का आयोजन 12 से 14 सितंबर तक श्रीभगवती प्रसाद देवपुरा प्रेक्षागृह में आयोजित किया जाएगा। संस्था के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने बताया कि समारोह में हिंदी भाषा पर विचार मंथन के लिए उपनिषद् हिंदी हुंकृति के तीन सत्रों में विद्वान अपने व्याख्यान देंगे। देश के विभिन्न अंचलों के साहित्यकारों, पत्रकारों, संपादकों को स्मृति सम्मान एवं विभिन्न मानद उपाधियों और अलंकरणों से सम्मानित किया जाएगा। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, नगर भ्रमण के साथ करीब 30 पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। समारोह में देशभर के दो सौ के लगभग साहित्यकार भाग लेंगे। समारोह के प्रथम दिवस 12 सितंबर को उद्घाटन कार्यक्रम में प्रभु की वंदना एवं राष्ट्रभाषा गान के साथ लोकनृत्य और योग प्रस्तुति के साथ विभिन्न विषयों पर व्याख्यान होंगे। संस्थान के प्रधानमंत्री श्यामप्रकाश देवपुरा ने बताया कि कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार संतोष कुमार आरजे जेमि कोयम्बटूर तमिलनाडु एवं उमेश पाठक सोरोंजी उप्र को पांच हजार एक सौ रुपये की राशि एवं साहित्य मर्मज्ञ मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। भगवतीप्रसाद देवपुरा स्मृति सम्मान 3 हजार 100 राशि एवं हिन्दी भाषा विभूषण से जयप्रकाश पाण्डेय दिल्ली, प्रो नरेन्द्र मिश्र नई दिल्ली, डॉ प्रकाशनारायण त्रिपाठी वर्धा, डॉ कृष्ण चंद्र पाण्डेय वर्धा और डॉ मुन्ना तिवारी झांसी को सम्मानित किया जाएगा। हिन्दी भाषा शिरोमणि एवं 3 हजार 100 की राशि से डॉ ए अनुराधा वेंकटरावपेट तेलंगाना, डॉ सुरेश कुमार मिश्र हैदराबाद, डॉ कुमुद बाला हैदराबाद, डॉ शशिकांत मिश्र जम्मू कश्मीर, आर श्रीदेवी चैन्नई, डॉ मंजु रुस्तगी चैन्नई, बिमल बड़ा जोरहाट असम सम्मानित होंगे। हिन्दी साहित्य शिरोमणि मानद उपाधि एवं 2 हजार 100 रु की राशि डॉ आचार्य धनंजय पाठक पलामू झारखंड, डॉ रामप्रवेश पण्डित डॉल्टनगंज-झारखण्ड, डॉ गोपालकृष्ण हाण्डा रायसिंहनगर, भारत सातपुते लातूर-महाराष्ट्र, गोवर्धन यादव छिन्दवाड़ा, शिवमंगलसिंह मंगल लखनऊ, डॉ खन्ना प्रसाद अमीन आणंद, डॉ विद्याकेशव चिटको नासिक, ब्रजेन्द्र सिंहल जयपुर, राज आचार्य सूर्यप्रसाद शर्मा उन्नाव, बिनोद सिंह गहरवार रांची, कुंज बिहारीलाल मौर्य प्रतापगढ़, डॉ प्रीति पांडेय रायपुर, डॉ लक्ष्मीकांत चंदेला रीवा तथा हिन्दी काव्य शिरोमणि. विभूषण मानद उपाधि एवं 2 हजार 100 रुपये से प्रो डॉ सारस्वत मोहन मनीषी गुरूग्राम, डॉ रवीन्द्रनाथ तिवारी लखनऊ, ओमप्रकाश वर्मा ओम बाराबंकी, डॉ विजयकुमार वर्मा बस्ती, कैलाश बाजपेयी, आचार्य विजय तिवारी किसलय जबलपुर, अजय अज्ञात फरीदाबाद, हरि संतोष कुमार तिवारी नैनीताल को सम्मानित किया जाएगा।

कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

देवपुरा ने बताया कि दूसरे दिन रविवार को हिंदी हुंकृति के साथ ही हिन्दी भाषा भूषण मानद उपाधि एवं 2100 रुपये की राशि से डॉ शिवम् तिवारी प्रतापगढ़, डॉ नवीन कुमार हजारीबाग, डॉ सुधांशु कुमार पटना, डॉ कमलिनी शशिकांत पशीने कोमल भोपाल, डॉ ईश्वर एच आहिर बड़ौदा, विमलेन्दु कुमार विमल समस्तीपुर के साथ ही पत्रकार-सम्पादन प्रवीण मानद उपाधि से मुरलीधर सोनी जयपुर, राज दिनेश कुमार गुप्ता लखनऊ, कृतिका शाह प्रतापगढ़, गोपाल माहेश्वरी इंदौर, अंकिता त्रिपाठी कानपुर को सम्मानित किया जाएगा। द्वितीय दिवस रात्रि 8 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के मूर्धन्य कवियों का काव्यपाठ होगा।

देश के 200 साहित्यकारों को होगा सम्मान

संस्था के प्रद्युम्न देवपुरा ने बताया कि सोमवार को हिन्दी हुंकृति एवं हिन्दी साहित्य संस्कृति, संगीत शिरोमणि, इतिहासवेक्ता, समाज साहित्य सेवा, पत्रकार-सम्पादक प्रवर आदि मानद उपाधियों से ब्रजेश कौशिक भरतपुर, पं सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट भोपाल, प्रो गोविन्दलाल मेनारिया उदयपुर, वीरेन्द्र कुमार लोढ़ा भीलवाड़ा, विष्णु शर्मा हितैषी उदयपुर, विक्रम पाण्डेय सोरोंजी, मधुकर चतुर्वेदी आगरा, मनोज पाराशर सोरोंजी, आदर्श नन्दन गुप्त आगरा के साथ ही हिन्दी साहित्य.काव्य भूषण की मानद उपाधि से डॉ सिम्मी सिंह उदयपुर, डॉ गरिमा रावत जयपुर, डॉ रामकृष्णलाल जगमग, दुर्गाशंकर वर्मा रायबरेली, राजकुमार रामलखन यादव ठाणे, विनोद कुमार सीताराम दुबे मुम्बई, हरिश्चन्द्र शाक्य मैनपुरी, ओम उपाध्याय इन्दौर, भंवरलाल श्रीवास भोपाल, लक्ष्मीकांत जवणे भोपाल, प्रीति अग्रवाल रामपुर, साधना सचान कानपुर, पूर्णिमा अग्रवाल नई दिल्ली, योगेशचन्द्र शर्मा योगी आगरा, मुकेश इन्दौरी इन्दौर, प्रवीण पारखी अनूपशहर, द्वारिकाप्रसाद रस्तोगी गोलागोकर्णनाथ, रीता अदा दिल्ली, कंचनमणि भट्टड किशनगढ़, लक्ष्मणप्रसाद डेहरिया छिन्दवाड़ा परसराम डेहरिया छिन्दवाड़ा, चन्द्रप्रकाश खाटूश्यामजी को सम्मानित किया जाएगा। संस्था के अनिरुद्ध देवपुरा ने बताया कि देश के दो सौ से अधिक साहित्यकारों को से एक लाख पचास हजार रुपए से अधिक की नकद राशि के पुरस्कार एव सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

विश्व प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) दिवस पर विशेष

- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हकीकत - राजसमंद में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं खुद इलाज की मोहताज

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। दुनियाभर में विश्व प्राथमिक उपचार दिवस शनिवार को मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य किसी भी हादसे या बीमारी के वक्त मरीज को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा देकर उसकी जान बचाना है, लेकिन राजसमंद जिले के ग्रामीण व सुदूर इलाकों में बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और उप-स्वास्थ्य केंद्र खुद ही प्राथमिक सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। वक्त पर प्राथमिक इलाज न मिलने से कई बार मरीजों की हालत गंभीर हो जाती है और उन्हें रेफर के नाम पर दर-दर भटकना पड़ता है। जिले के देवगढ़, भीम, कुंभलगढ़ और रेलमगरा जैसे खंडों के अंदरूनी गांवों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत यह है कि वे महज रेफरल सेंटर बनकर रह गए हैं। चोट लगने पर पट्टी बांधने या सांस फूलने पर ऑक्सीजन देने जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भी मरीजों को जिला अस्पताल (आरके अस्पताल और नाथद्वारा अस्पताल) का रुख करना पड़ता है।

प्राथमिक सुविधा : धरातल पर जिले की वास्तविक स्थिति

एंबुलेंस सुविधा : 108 और 104 एंबुलेंस सेवा का कई दूरस्थ इलाकों में समय पर न पहुंचना, जिससे मरीज खुद के साधनों से अस्पताल पहुंचते हैं। इमरजेंसी फर्स्ट एड किट : कई उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर एंटी-रैबीज (कुत्ते के काटने का इंजेक्शन), एंटी-वेनम (सांप के काटने का टीका) और बुनियादी जीवन रक्षक दवाएं नदारद है।

स्टाफ का अभाव : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की कमी, कई जगह एकल-शिक्षकीय या चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भरोसे व्यवस्था चल रही है।

ऑक्सीजन व ईसीजी : बुनियादी जांच उपकरण (ईसीजी मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर) या तो खराब पड़े हैं या उनका संचालन करने वाला तकनीकी स्टाफ उपलब्ध नहीं है।

गोल्डन आवर में भी नहीं मिलता इलाज

चिकित्सा विज्ञान में हादसे के बाद के पहले घंटे को गोल्डन आवर कहा जाता है, जिसमें तुरंत प्राथमिक इलाज (फर्स्ट एड) मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। जिले की खस्ताहाल सड़कों और प्राथमिक केंद्रों पर डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण मरीज इस महत्वपूर्ण समय को केवल आरके अस्पताल या उदयपुर रेफर होने के सफर में ही गंवा देते हैं।

इलाज के बजाय रेफर का फरमान

रातों में या रविवार को अगर किसी ग्रामीण को अचानक सीने में दर्द या दुर्घटना में गंभीर चोट लग जाए, तो प्राथमिक केंद्रों पर अक्सर ताला लटका मिलता है या तैनात स्टाफ प्राथमिक उपचार देने के बजाय तुरंत रेफर पर्ची थमा देता है। विश्व प्राथमिक स्वास्थ्य दिवस पर कागजी दावों के बीच यह कड़वी सच्चाई जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोल रही है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक ललिता कुंवर के लिये मुद्रक वेदान्त प्रभाकर द्वारा मेधा कप्यूटर्स, नंद भवन, कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा से मुद्रित व ग्राम बागोटा, डाकघर सांगठकला जिला राजसमंद, राजस्थान - 313324 से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह राठौड़ । पत्र पंजीयन संख्या आर.एन.आई. RJBIL/26/A5478। सभी प्रकार के प्रसंगो का न्याय क्षेत्र राजसमंद ही रहेगा ।